आदर्श प्रश्न- पत्र - 3

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'अ'

कक्षा - दसवीं

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 90**

निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड है -
   खंड क- 20 अंक
   खंड ख- 15 अंक
   खंड ग - 35 अंक
   खंड घ - 20 अंक
2. चारो खंडो के प्रश्नो के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तर के विकल्प छाँटकर लिखिए -**

आधुनिक युग में धर्म का प्रभाव उत्तरोत्तर क्षीण होता जा रहा है | लोगों में नास्तिकता घर करती जा रही है | इसका एकमात्र कारण है - विज्ञान की उन्नति | आज के युग में विज्ञान का प्रभाव विश्वव्यापी है | दो शताब्दी पूर्व यही स्थिति धर्म की थी | धर्म व विज्ञान दोनों न एही मानव-जाति की उन्नति में महत्त्वपूर्ण सहयोग दिया है | एक ने आंतरिक तो दूसरे ने बाह्य उन्नति के लिए | धर्म ने मानव नो मानसिक शान्ति प्रदान की है तो विज्ञान ने बहुतिक सुख-शांति दी है | धर्म ने मानव-ह्रदय को परिष्कृत किया ति है विज्ञान ने उसकी बुद्धि को | भौतिक सुख-शांति से अधिक आवश्यक मानसिक सुख-शान्ति है | ऐसा देखा गया है कि एक से एक धनवान एवं ऐश्वर्य संपन्न लोग शान्ति प्राप्त करने के लिए इधर-उधर भटकते रहते हैं | इसी प्रकार यदि मनुष्य समाज में सम्मानपूर्वक उचित स्थान प्राप्त करके जीवन व्यतीत करने चाहता है तो उसको भौतिक सुख-शांति की आवश्यकता होती हैं | इस प्रकार हम देखते हैं कि धर्म और विज्ञान दोनों मानव जाति के लिए महत्त्पूर्ण तत्त्व हैं तथा अनंत कालों तक रहेंगे | यह बात दूसरी है कि किसी में धर्म की प्रधानता रहे, तो किसी काल में विज्ञान की |

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए |

(क) धार्मिक प्रभाव कम होने का कारण निम्न में कौन-सा है?

(i) विज्ञान की उन्नति

(ii) मानव का परिवर्तनशील स्वभाव

(iii) सरकार का विज्ञान को संरक्षण

(iv) परिवर्तित वातावरण

(ख) इस गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक होगा:

(i) धर्म और विज्ञान

(ii) विज्ञान की महिमा

(iii) धर्म शक्ति

(iv) कोई नहीं

(ग) मानव जीवन में भौतिक सुख-शांति का आधार कौन-सा है?

(i) विज्ञान

(ii) धर्म

(iii) मंदिर

(iv) कंप्यूटर

(घ) मानव को मानसिक शांति किससे मिलती है?

(i) विज्ञान से

(ii) पैसे से

(iii) कानून से

(iv) धर्म से

(ङ) 'विश्वव्यापी' किस समास का उदाहरण है?

(i) तत्पुरुष

(ii) बहुव्रीहि

(iii) द्वंद्व

(iv) अव्ययीभाव

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तर के सही विकल्प छाँटकर खिए-**

यदि हम चाहते हैं कि भविष्य में अच्छे नागरिक मिले तो हमें विद्यार्थियों को सभी दृष्टि से योग्य बनाना पड़ेगा | पहली बात उनमें राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करने की है | हमारा विद्यार्थी वर्ग अपने को राष्ट्र की धरोहर समझकर अपनी रक्षा करे | उसे यह बात मन में ठान लेनी है कि उसके ऊपर भारत की रक्षा का भार है | उसे स्मरण रखना होगा कि वह उस महान राष्ट्र का नगरिक होने जा रहा है जिसने आदिकाल में ही 'वसुधैव कुटुंबकम्' की उद्घोषणा की थी | उसे इसका पूर्णतः पालन करना है |

दूसरी बात यह है की उसे कर्मठ बनना है | आलस्य को अपना महान शत्रु समझकर उसकी छाया से भी घृणा करनी है | आज आवश्यकता है - अधिक से अधिक उत्पादन करने की, अधिक से अधिक कर्तव्य-परायण, अधिक से अधिक प्रगतिशील बनने की | विदेशों से होड़ करने के लिए हमारे छात्रों को

समय से काम करने की आदत डालनी होगी | अधिक समय तक काम करने के लिए धैर्य के गुण का विकास करना होगा | आज सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता है तभी देश से दरिद्रता भागेगी और अज्ञान का अंधकार दूर होगा |

उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनिए |

(क) देश के विकास के लिए विद्यार्थियों को क्या करना आवश्यक है?

(i) कर्मठ बनना चाहिए
(ii) रष्ट्रभक्ति की भावना का विकास होना चाहिए
(iii) आलस्य त्याग कर समय का सही उपयोग
(iv) उपर्युक्त सभी

(ख) विद्यार्थियों पर किसका भार है?

(i) माता-पिता का
(ii) शिक्षकों का
(iii) भारत की रक्षा का
(iv) अपने घर का

(ग) उपर्युक्त गद्यांश कस सर्वोत्तम शीर्षक क्या होगा?

(i) युवा शक्ति
(ii) विद्यार्थी
(iii) विद्यार्थी एवं कर्तव्य
(iv) उपर्युक्त कोई नहीं

(घ) देश से दरिद्रता कैसे दूर होगी?

(i) सामूहिक प्रयत्न से
(ii) खाना खाकर सोने से
(iii) कभी दूर नहीं होगी
(iv) स्वतः भाग जाएगी

(ङ) विद्यार्थी का संधिविच्छेद क्या होगा?

(i) विद्या + अर्थी
(ii) विद्य + आर्थी
(iii) विद्या + र्थी
(iv) उपर्युक्त सभी

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।**

एक दिन पत्तियों ने भी कहा था,
डाल?

डाल में क्या है कमाल ?
माना वह झूमी, झुकी, डोली है
ध्वनि-प्रधान दुनिया में
एक शब्द भी वह कभी बोली है?
लेकिन हम हर-हर स्वर करती हैं,
मर्मर स्वर मर्मभरा भरती हैं,
नूतन हर वर्ष हुई,
पतझर में झर
बहार-फूट फिर छहरती हैं,
विथकित-चित्त पंथी का
शाप-ताप हरती हैं |

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें |

(क) एक दिन पत्तियों ने दल के विषय में क्या कहा था |

(i) वह कभी बोली नहीं
(ii) वह झूमी है, झुकी है
(iii) उपर्युक्त दोनों
(iv) डाल उपयोगहीन है

(ख) पत्तियाँ क्या करती हैं?

(i) हर-हर स्वर करती हैं
(ii) पतझड़ में झड़ जाती हैं
(iii) पथिक का ताप हरती हैं
(iv) उपर्युक्त सभी

(ग) थके हुए पथिक का ताप कौन दूर करता है?

(i) डाल
(ii) पत्तियाँ
(iii) फूल
(iv) फल

(घ) पत्तियाँ दुनिया को ध्वनि प्रधान क्यों कहती हैं?

(i) क्योंकि वे स्वयं ध्वनि करती हैं
(ii) क्योंकि वे अत्यंत ज्ञानी हैं
(iii) क्योंकि उन्हें ध्वनि सुनना अच्छा लगता है
(iv) उपर्युक्त कोई नहीं

(ङ) पत्तियाँ पथिक के शाप-ताप को हरण कैसे करती हैं?

(i) अपनी मधुर ध्वनि तथा हवा को शीलता प्रदान कर

(ii) मधुर संगीत सुनाकर

(iii) उपर्युक्त दोनों

(iv) पथिक को अपनी गोद में सुलाकर

4. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर, दिए गए प्रश्नो के उत्तरों में से सही विकल्प छांटकर लिखिए।**

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना

प्रथम चरण है नये स्वर्ग का
है मंज़िल का छोर
इस जन-मंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दुख की
विगत साँवली कोर

ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना
पहरुए, सावधान रहना

ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हटा गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है

शोषण से मृत है समाज
कमज़ोर हमारा घर है
किन्तु आ रही नई ज़िंदगी
यह विशवास अमर है |

उपर्युक्त काव्यांश को पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए गए विकल्पों में से चुनें |

(क) उपर्युक्त पंक्तियाँ देश की कौन-सी बड़ी सुखद घटना की ओर संकेत करती हैं?

(i) भारत की आज़ादी की बड़ी सुखद घटना की ओर

(ii) सुखद एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की ओर

(iii) हमारी प्राचीन संस्कृति और सभ्यता की ओर

(iii) हमारी मजबूती होती अर्थव्यवस्था की ओर

(ख) कवि 'पहरुए' को 'दीपक' और 'अंबुधि' के समान बें रहने को क्यों कहता है?

(i) क्योंकि वह पहरेदारों को सावधान करना चाहता है ताकि शत्रु प्रवेश न कर सकें

(ii) क्योंकि कवि को दर है कि देश पुनः गुलाम न हो जाए

(iii) क्योंकि कवि देश को हमेशा प्रकाशवान तथा मर्यादित देखना चाहता है

(iv) क्योंकि दीपक एवं अंबुधि दोनों ही खतरनाक प्रवृति के हैं

(ग) कवि को कौन-कौन सी बातें भयभीत कर रही है?

(i) अन्य देशों की विकसित आणविक क्षमता

(ii) पड़ोसी देश का अत्यधिक मजबूत होना

(iii) देश का सांस्कृतिक तथा आर्थिक पतन

(iv) देर से मिली आज़ादी

(घ) कवि का भविष्य के प्रति आशावादी स्वर किन पक्तियों में मुखरित हुआ है?

(i) ऊँची हुई मशाल हमारी आगे कथन डगर है

(ii) किन्तु आ रही नई ज़िंदगी यह विशवास अमर है

(iii) ले युग की पतवार बने अंबुधि महान रहना

(iv) आज जीत की रात पहरुए, सवधान रहना

(ङ) उपर्युक्त काव्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा?

(i) पहरुए, सावधान रहना

(ii) देशगान

(iii) चेतावनी

(iv) कवि का आह्वान

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. **निर्देशानुसार कीजिए:**

(क) एक तुमने ही इस जादू पर विजय पाप्त की है। (वाक्य भेद लिखिए)

(ख) एक मोटरकार उनकी दुकान के सामने आकर रुकी। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) सभी विद्यार्थी कवि-सम्मेलन में समय से पहुँचे और शांति से बैठे रहे। (मिश्रित वाक्य में बदलिए)

6. **निम्नलिखित वाक्यो में निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए।**

(क) राष्ट्रपति द्वारा इस भवन का उद्घाटन किया गया। (कर्तृवाच्य में)

(ख) हमसे इतना भार नहीं सहा जाता। (कर्तृवाच्य में)

(ग) इतनी गर्मी में कैसे बैठ सकते हैं? (भाववाच्य में)

(घ) तुलसीदास ने रामचरितमानस की रचना की। (कर्मवाच्य में)

7. **निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित का पद-परिचय लिखिए।**

(क) "विद्यालय जाने से <u>पहले</u> नाश्ता कर लो |"

(ख) "गाँधी जी ने कहा <u>कि</u> सदा सत्य बोलो |"

(ग) "कबीर नीरजा के लिए <u>किताब</u> लाया |"

(घ) अहा ! <u>उपवन में</u> सुंदर फूल खिले हैं |

8. **काव्यांश पढ़कर उसमें निहित रस पहचानकर लिखिए:**

(क) हाथ गद्यो प्रभु को कमला कहै नाथ कहाँ तुमने चित्त धारी |
तंदुल खाय भुठि दुइ दीन कियो तुमने दुई लोक बिहारी |
खाय भूठि तीसरी अब नाथ कहा निज बास को आस बिसरी |
रंकहि आप समान कियो तुम चाहत आपहि होत भिखारी |

(ख) देखी मैंने आज जरा |
हो जावेगी क्या ऐसी मेरी ही यशोधरा
हाय ! मिलेगा मिटटी में वह वर्ण-सुवर्ण खरा |
सुख जाएगा मेरा उपवन जो है आज हरा ||

(ग) वीर रस का स्थायीभाव है?

(घ) भय किस रस स्थायीभाव है?

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर दीजिए-**

मैं नहीं जानता इस संन्यासी ने कभी सोचा था या नहीं कि उसकी मृत्यु पर कोई रोएगा | लेकिन उस क्षण रोने वालों की कमी नहीं थी | (नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है |)

इस तरह हमारे बीच से वह चला गया जो हममें से सबसे अधिक छायादार फल-फूल गंध से भरा और सबसे अलग, सबका होकर, सबसे ऊँचाई पर, मानवीय करुणा की द्वय चमक में लहलहाता खडा था | जिसकी स्मृति हम सबके मन में, जो उनके निकट थे, किसी यज्ञ की पवित्र आग की आँच की तरह आजीवन बनी रहेगी | मैं उस पवित्र ज्योंति की याद में श्रद्धानत हूँ |

(क) लेखक ने फ़ादर कामिल बुल्के को श्रद्धांजलि कैसे अर्पित की?

(ख) फ़ादर बुल्के को छायादार फल-फूल गंध से भरा क्यों कहा गया है?

(ग) लेखक के लिए फ़ादर बुल्के क्या थे?

10. **निम्नलिहित प्रश्नो के संक्षिप्त उत्तर दीजिए-**

(क) पति की मृत्यु हो जाने पर भगत जी की पुत्रवधू की कैसी दशा हो रही थी ? भगत जी अपनी पुत्रवधू को क्या उपदेश दे रहे थे?

(ख) लेखक द्वारा नवाब साहब की ओर से नज़रें हटा लेने का क्या कारण था?

(ग) लेखक ने फ़ादर कि याद को यज्ञ कि पवित्र अग्नि क्यों कहा है?

(घ) मूर्ति की कौन-सी कमी देखते ही खटकती थी?

11. **निम्नलिखित पद्यांश को पड़कर दिए गए प्रश्नो के उत्तर लिखिए -**

बादल, गरजो ! -
घेर घेर घोर गगन, धराधर ओ !
ललित लेत, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के-से पाले,
विद्युत-छबि उर में, कवि, नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो -
बादल, गरजो !

(क) बादलों को किसके समान सुंदर माना गया है?

(ख) कवि बादल को क्या घेरने के लिए कह रहा है और क्यों?

(ग) बादलों को किस रूप में प्रस्तुत किया गया है?

12. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर- संक्षेप में लिखिए:**

(क) 'कवि सीवन को उधेड़ कर देखना' किसे कह रहा है?

(ख) 'उत्साह' कविता से कवि निरल के व्यक्तित्व की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है?

(ग) नदियों के पानी के जादू से क्या तात्पर्य है?

(घ) 'मन की मन ही माँझ रही' में गोपियों के द्वारा किस जीवन-सत्य का बोध होता है?

13. आधुनिक भौतिकवादी जीवन शैली में बच्चों के स्वभाविक विकास को अवरुद्ध किया है | बच्चों का स्वाभाविक विकास हो इसके लिए आप क्या सुझाव देंगे |

खण्ड-घ

('लेखन')

14. **दिए गए संकेत बिन्दुओ के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए -**

(क) <u>विद्यार्थी और अनुशासन</u>

संकेत-बिंदु: 1. अनुशासन का शाब्दिक अर्थ, 2. संस्कृत भाषा में आदर्श विद्यार्थी के लक्षण, 3. प्राचीनकाल के विद्यार्थी, 4. विद्यार्थी में अनुशासन होने के लिए आवश्यक गुण |

अथवा

(ख) सामाजिक जीवन में बढ़ता भ्रष्टाचार

संकेत-बिंदु: आधुनिक युग भ्रष्टाचार, 2. भ्रष्टाचार फैलाने का सबसे बड़ा माध्यम, 3. पारिवारिक संबंधों पर भ्रष्टाचार का प्रभाव, भ्रष्टाचार और वर्तमान समाज |

अथवा

(ग) आपदा प्रबंधन

संकेत-बिंदु: 1. प्राकृतिक आपदाएँ, 2. दोषी कौन, 3. सरकार कि जिम्मेदारी, 4. नागरिकों के कर्तव्य, 5. उपाय |

15. निकटस्थ डाकपाल को पत्र लिखकर सूचित कीजिए कि पहली जून से 30 जून तक आपकी डाक डाकघर में ही सँभाली जाए, क्योकि उन दिनों आप घर पर नहीं होगें |
गोपाल राय

16. **निम्नलिखित गद्यांश का शीर्षक लिखकर एक-तिहाई शब्दों में सार लिखिए:**
वर्तमान समय में प्रगतिशील भारत के सामने जो समस्याएँ सुरसा के मुँह की तरह मुँह खोले खड़ी हैं, उनमें बढ़ती जनसंख्या एक विकराल समस्या है। इसके साथ अन्य समस्याएँ भी हैं; आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी आदि। इन सभी समस्याओं में जनसंख्या की समस्या काफी जटिल है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या के अनेक कारण हैं, जैसे-अशिक्षा और अंधविश्वास। अधिकतर लोग बच्चों को भगवान की देन मानकर परिवार नियोजन को अपनाना नहीं चाहते। इस संबंध में सरकार द्वारा अनेक प्रयास किए गए हैं। जनसंचार माध्यमों द्वारा परिवार नियोजन के संबंध में व्यापक प्रचार किया गया है और किया जा रहा है। अनेक संस्थाएँ भी इस दिशा में कार्य कर रही हैं, फिर भी आशानुरूप् सफलता नहीं मिल पाई है। भारत की जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या का पाँचवाँ भाग है। यहाँ हर वर्ष एक नया आस्ट्रेलिया बन जाता है। अतः यहाँ कृषि के लिए भूमि का अभाव हो गया है। आवास की बढ़ती हुई समस्या के कारण यहाँ हरे-भरे जंगलों के स्थान पर कंकरीट के जंगल बन रहे हैं। अमूल्य वन संपदा का विनाश, दुर्लभ वनस्पतियों का अभाव, वर्षा पर घातक प्रभाव पड़ रहा है। बेकारी बढ़ रही है। लूट, हत्या, अपहरण जैसी वारदातों को बढ़ावा मिल रहा है। जनसंख्या की समस्या का समाधान कानून द्वारा नहीं जनजागरण तथा शिक्षा द्वारा ही संभव है।

आदर्श प्रश्न- पत्र - 4

संकलित परीक्षा - I

विषय - हिंदी 'अ'

कक्षा - दसवीं

निर्धारित समय: 3 घण्टे **अधिकतम अंक: 90**

निर्देश:

खंड-क

(अपठित गद्यांश)

1. **(क)** (i) विज्ञान की उन्नति
   (ख) (i) धर्म और विज्ञान
   (ग) (i) विज्ञान
   (घ) (iv) धर्म से
   (ङ) (i) तत्पुरुष

2. **(क)** (iv) उपर्युक्त सभी
   (ख) (iv) अपने घर का
   (ग) (iii) विद्यार्थी एवं कर्तव्य
   (घ) (i) सामूहिक प्रयत्न से
   (ङ) (i) विद्या + अर्थी

3. **(क)** (iii) उपर्युक्त दोनों
   (ख) (iv) उपर्युक्त सभी
   (ग) (ii) पत्तियाँ
   (घ) (i) क्योंकि वे स्वयं ध्वनि करती हैं
   (ङ) (i) अपनी मधुर ध्वनि तथा हवा को शीलता प्रदान कर

4. **(क)** (i) भारत की आज़ादी की बड़ी सुखद घटना की ओर
   (ख) (iii) क्योंकि कवि देश को हमेशा प्रकाशवान तथा मर्यादित देखना चाहता है
   (ग) (iii) देश का सांस्कृतिक तथा आर्थिक पतन
   (घ) (ii) किन्तु आ रही नई ज़िंदगी यह विशवास अमर है
   (ङ) (iv) कवि का आह्वान

खण्ड - ख

(व्याकरण)

5. **(क)** सरल वाक्य
   (ख) एक मोटरकार आई और उनकी दुकान के सामने आकर रुकी।
   (ग) जैसे ही विद्यार्थी कवि-सम्मेलन में समय से पहुँचे, वैसे ही शांति से बैठ गए।

6. **(क)** राष्ट्रपति ने इस भवन का उद्घाटन किया।
   (ख) हम इतना भार नहीं सह सकते।
   (ग) इतनी गर्मी में कैसे बैठा जाएगा।
   (घ) तुलसीदास द्वारा रामचरितमानस की रचना की गई।

7. **(क)** कालवाचक संबंधबोधक, 'नाश्ता कर लो' क्रिया से संबंध' |
   (ख) व्याधिकरण समुच्चयबोधक, यह गाँधी जी ने कहा एवं सदा सत्य बोलो को जोड़ता है |
   (ग) जातिवाचक संज्ञा, कर्म कारक |
   (घ) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक |

8. **(क)** दानवीर रस
   (ख) शांत रस
   (ग) उत्साह
   (घ) भयानक रस

खण्ड - ग

(पाठ्य-पुस्तक)

9. **(क)** लेखक ने फ़ादर कामिल बुल्के को श्रद्धांजली अपने आलेख 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' के माध्यम से दी |
   (ख) फ़ादर बुल्के को छायादार फल-फूल से भरा इसलिए कहा गया है, क्योंकि वे सबके प्रति ममता, दया करुणा का भाव रखते थे |
   (ग) लेखक के लिए बुल्के मानवीय करुणा की दिव्य चमक, बड़े भाई समान मार्गदर्शक तथा शुभचिंतक थे|

10. **(क)** पति के मृत्यु हो जाने पर भगत जी की पुत्रवधू रो रही थी | गाँव की स्त्रियाँ उसे चुप कराने का प्रयास कर रही थी | भगत जी अपनी पुत्रवधू को यह उपदेश दे रहे थे कि उसे रोने के बदले उत्सव मनाना चाहिए, क्योंकि आत्मा-परमात्मा के पास चली गई है | आत्मा रूपी विरहिणी का अपने प्रेमी से मिलन हो गया है | यह तो प्रसन्नता की बात है |
    (ख) ट्रेन में लेखक के साथ के लिए नवाब साहब ने कोई उत्साह प्रकट नहीं किया | उसके कारण लेखक ने यह महसूस किया कि यदि वे मुझे महत्त्व नहीं देते और मैं अपनी ओर से उनके साथ

के लिए पहल करूँ, तो उनकी दृष्टि में मेरा सम्मान कम हो जाएगा | इसी कारण लेखक ने नवाब साहब की ओर से नजरें हटा लीं |

(ग) जिस प्रकार यज्ञ कि अग्नि कल्याणकारी उद्देश्य के लिए प्रज्वलित किए जाने के कारण पवित्र होती है तथा ईश्वर कि आराधना किए जाने से उसकी ज्योति में भी विशेष कांति होती है, उसी प्रकार फ़ादर बुल्के के सबके कल्याण कि भावना एवं मानवीय करुना से ओत-प्रोत व्यक्तित्व वाले होने के कारण उनकी याद को यज्ञ कि पवित्र अग्नि कहा है |

(घ) मूर्ति में एक ही कमी थी, नेताजी की आँखों पर संगमरमर से बना चश्मा नहीं था | यह कमी मूर्ति को देखते ही खटकती थी | संगमरमर के चश्मे के स्थान पर साधारण से असली चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था |

11. **(क)** बादलों को सुंदर काले घुँघराले बालों के समान सुंदर माना गया है |

(ख) कवि बादल को पूरा आकाश घेरने के लिए कह रहा है | क्योंकि कवि चाहता है कि बादल आकाश में फैली तपन, गर्मी और लू को हटाकर धरती पर छाया कर दें और उसे वर्षा का जल प्रदान करें |

(ग) इस कविता में बादलों को तेजस्वी कवि के रूप में प्रस्तुत किया है | वह कवि जिसके हृदय में वज्र जैसी शक्ति, विद्युत जैसी चमक और नविन भावनाओं का संचार होता है |

12. **(क)** कवि अपनी आत्मकथा लिखने को 'सीवन को उधेड़कर देखना' कह रहा है | कवि का आशय यह है कि यदि वह सच्ची आत्मकथा लिखेगा तो लोगों को उसके जीवन का एक-एक रहस्य का पता चल जाएगा | लोग उसके एक-एक दुख और अभाव को देखकर उसके जीवन को चिथड़े-चिथड़े कर डालेंगे |

(ख) 'उत्साह' कविता से निराला का पौरुष प्रकट होता है | निरल बहुत जोशीले और गर्वीले कवि थे| वे करुणावान थे | वे बादलों की तरह घुमड़-घुमड़कर जन-जन के कष्टों पर छा जाना चाहते थे | इस कविता में यही गर्जन, घुमड़न और करुणा प्रकट हुई है | कवि चाहता है कि बादल पुरे गगन को घेर लें | वे घनघोर आकार ग्रहण करके खूब बरसें |

(ग) नदियों के पानी के जादू से तात्पर्य यह है कि जिस फसल पर मनुष्य का जीवन आधारित है, उसके उगाने में बहुत सारी नदियों का जल अपना योगदान देता है | नदियों के जल से खेतों की सिंचाई होती है और उसके परिणामस्वरूप ही फसल लहलहा उठती है |

(घ) गोपियाँ यह बतलाती हैं कि उन्होंने कृष्ण के साथ अपने प्रेम का सुखद अनुभव नहीं किया है | योग-मार्ग ने आकर उनकी प्रेम-साधन में बाधा डाल दी | योग-साधन से कोई सिद्धि प्राप्त नहीं होती है| जीवन का सार तत्त्व है - भगवान से प्रेम |

13. आधुनिक भौतिकवादी जीवन शैली के बच्चे स्वाभाविक रूप से विकसित नहीं होते क्योंकि वह अधिकतर समय अपने घर के अंदर टी०वी०, मोबाइल, इंटरनेट या अन्य किसी भौतिक वस्तु के साथ चिपके रहते हैं तथा उसी पर दिखाए सुनाए गए विभिन्न आचरणों को अपना आदर्श मान कर उसी के

अनुरूप व्यवहार करते हैं जो ठीक नहीं है | बच्चों के स्वाभाविक विकास के लिए टी०वी०, मोबाइल, इंटरनेट तथा अन्य आधुनिक यंत्रों के प्रयोग पर नियंत्रण रखना होगा | उनकी मनोवृति को रचनात्मक क्रिया-कलापों की ओर मोड़ना होगा | उन्हें समय प्रबंधन का गुण बताकर सभी कार्य समय पर करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा | घर के अतिरिक्त उन्हें घर के बाहर की गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित करना होगा तभी उनका स्वाभाविक विकास सुनिश्चित होगा | भौतिक उपलब्धियाँ तृष्णा का विस्तार है | इसके जाल में फँसकर वर्तमान परिवेश के बच्चों का स्वाभाविक विकास नहीं हो पाता जो अत्यंत खतरनाक स्थिति है |

खण्ड-घ

('लेखन')

14. **(क) <u>विद्यार्थी और अनुशासन</u>**

सामान्यतः विद्या या शिक्षा ग्रहण करने वाले इच्छुक को विद्यार्थी कहा जाता है | विद्यार्थी के जीवन में बाहर और भीतर अनुशासन का बहुत महत्त्व है | अनुशासन शब्द '**अनु**' उपसर्ग और '**शासन**' मूल शब्द के मिलाप से बना है | 'अनु' का तात्पर्य है- पश्चात या साथ में और शासन का अर्थ है - व्यवस्था तथा नियम | विद्यार्थी का लक्ष्य ज्ञान प्राप्त करना है, जबकि आलस्य इसका शत्रु होता है | शिक्षा के कारण ही एक अच्छा मानव, इंसान, आदर्श नागरिक, देश-प्रेमी तथा व्यवहारी भी बन सकता है | आलस्य, नकल, कामचोरी, अनुशासनहीनता उसके लक्ष्य कि प्राप्ति में बाधा है | मनुष्य जन्म लेते ही जब से समझने लगता है, तब से लेकर मृत्यु तक वह ज्ञान ग्रहण करता है |

प्राचीन काल में विद्यार्थी, गुरु तथा समाज के लिए प्राण देने हेतु तत्पर रहते थे, वे ही आज इनके प्राण लेने कि सोचते हैं | शिक्षा के पवित्र क्षेत्र में में अनुशानहीनता के कारण ' **आचार्य देवो भव**' के स्थान पर '**विद्यार्थी देवो भव**' बनने जा रहा है |

विद्यार्थी में अनुशासन लाने के लिए नैतिक शिक्षा प्रदान करती चाहिए | देश-प्रेम कि उत्कृष्ट भावनाएँ जागृत करनी चाहिए, तब उसके जीवन में अनुशासन कि भावना बढ़ेगी | आज के विद्यार्थियों में अनुशासन भंग के लिए फिल्मी दुनिया, फैशन, परिवेश, दूरदर्शन से प्रसारित होने वाले कुछ धारावाहिक भी जिम्मेवार हैं |

विद्यार्थियों का अनुशासन बिगड़ने में कुछ हद तक हमारी शिक्षा पद्धति भी जिम्मेदार है | विद्यार्थी को पढ़-लिखकर अगर समाज में उचित सम्मान तथा नौकरी नहीं मिलेगी, तब वह घेराव, मोर्चा आदि का प्रयोग कर अपने भविष्य कि अनिश्चित स्थिति को स्पष्ट करने के लिए आक्रोश व्यक्त करता है| अतः अपनी शिक्षा में पाश्चात्य अनुकरण प्रणाली को छोड़कर अपनी प्राचीन भरतीय परंपरा को देखते हुए आदर्श, तकनीकी नैतिक शिक्षा का अंतर्भाव होना चाहिए |

अथवा

(ख) <u>सामाजिक जीवन में बढ़ता भ्रष्टाचार</u>

आधुनिक युग भ्रष्टाचार का युग कहा जा सकता है | सामाजिक धरातल पर देखा जाए तो समाज में धन कि लालसा बढ़ती जा रही है | प्रत्येक व्यक्ति अधिक धनी बनने कि कामना के कारण अनेक प्रकार के अनुचित अथवा भ्रष्ट आचरण करता है | व्यापरी लोग अधिक धन कमाने के लिए खाने-पीने कि सामान्य वस्तुओं में मिलावट करते हैं | सिंथेटिक दूध बेचकर लोग लाखों लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करते हैं | इस दूध में यूरिया तथा अन्य हानिकारक पदार्थ मिलाए जाते हैं | नकली दवाइयाँ खा कर लाखों लोग अपने जीवन से हाथ धो बैठते हैं | इसी प्रकार फलों और सब्जियों को भी रासायनिक पदार्थों द्वारा अधिक आकर्षण बनाया जाता है |

आजकल पारिवारिक संबंधों में भी भ्रष्टाचार ने विष-बीज बो दिए हैं | तथाकथित 'कज़िन' (Cousin) तथा 'अंकल' किस प्रकार शारीरिक शोषण करते हैं, इसका प्रमाण देने कि आवश्यकता नहीं है | अनेक परिवारों में निकट के रिश्तेदारों किशोरियों तथा नवयौवनाओं को अपनी कामपिपासा कि पूर्ति का साधन बनाते हुए जरा भी हिचकिचाते नहीं |

समाज में मदिरा का प्रचलन बढ़ता जा रहा है | मदिरा पीकर लोग अनेक प्रकार के अनैतिक कार्य करते हैं | इस प्रकार सामाजिक जीवन में भ्रष्टाचार अपनी विषबेल फैलाता अनेक प्रकार के अनैतिक कार्य करते हैं | इस प्रकार सामाजिक जीवन में भ्रष्टाचार अपनी विषबेल फैलाता जा रहा है | इसे रोकने के लिए 'संचार माध्यम' (मीडिया) बहुत सहायक हो सकता है तथा कठोर कानून भी इस पर रोक लगाने में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं |

अथवा

(ग) <u>आपदा प्रबंधन</u>

प्रकृतिक आपदा प्रकृति का मानव के प्रति रोष है जिसकी अभिव्यक्ति धरती से क्षणभर में जीवन का अस्तित्व मिटाने कि क्षमता रखती है | प्रकृति का यह रोष, यह तांडव देख मानव सिहर उठता है, किंतु जन-जीवन के सामन्य होते ही सब कुछ भूल जाता है | वह अपनी भूल से तनिक भी सीख नहीं लेता तथा लगातार वृक्षों कि कटाई कर अपने क्षणिक भोग कि वस्तुओं का निर्माण करता जाता है और फिर सुनामी जैसी महाआपदा को निमंत्रण देता है |

मौसम कि चेतावनी देकर, बचाव कार्य तथा प्राथमिक उपचार के बारे में विशेष प्रशिक्षण देकर लाखों लोगों कि जान बचाई जा सकती है | अच्छे निर्माण कार्यों कि समझ हमारे लिए बहुत आवश्यक है ताकि घरों, विद्यालयों तथा संस्थानों को सुरक्षित रखा जा सके | आपदारोधी इमारतों का निर्माण करना तथा विद्यमान इमारतों कि मरम्मत तथा उनका नवीनीकरण अत्यंत आवश्यक है |

केन्द्रीय स्तर पर जहाँ वस्तुओं और वित्तीय संसाधनों की पूर्ति कि जाती है, वहाँ आपदाओं से निबटने का मुख्य दायित्व राज्य सरकार का है | जिला प्रशासन सभी गतिविधियों का केंद्र-बिंदु होता है | इसके अतिरक्त अनेक छोटे-बड़े संगठन भी निरंतर सहायता एवं बचाव कार्यों में लगे रहते हैं |

हम सुसंस्कृत, सुसभ्य कहलाने वाले प्राणी आए दिन होने वाली आपदाओं के लिए कभी सरकार को कोसते हैं तो कभी ईश्वर से शिकायत करते हैं, लेकिन स्वयं हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हैं | जरा

सोचिए, किसी भी प्रकार कि प्राकृतिक आपदा का शिकार सबसे अधिक कौन होता है ? आम आदमी ही जब इसकी चपेट में आता है, तो क्यों न हम सब मिलकर कुछ ऐसे उपाय करें, जिससे इन आपदाओं का सामना किया जा सके | अपने मोहल्ले के लोगों के साथ मीकर पहले से ही सुरक्षा योजनाएँ बना लीं जाती चाहिए और समय-समय अभ्यास करना चाहिए | लोगों को जागरूक करने के लिए अनेक अभियान चलाए जाने चाहिए |

समाज में इन आपदाओं से सबंधित सावधानी बरतने तथा उचित जानकारी पहुँचाने के लिए सबसे अच्छा उपाय है - विद्यालयों में बच्चों को जागरूक करना |

हम प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते किंतु उचित जानकारी, समुचित व्यवस्था और संगठित उपायो से इनके हानिकारक प्रभाव को कम अवश्य कर सकते हैं इसके अतिरिक्त संकट के समय हमें साहस व धैर्य से इनका सामना करना चाहिए |

15. पताः .....

दिनांक: .....

सेवा में

पोस्टमास्टर,

मुख्य डाकघर,

कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

विषय: डाक को डाकघर में रखने हेतु पत्र।

महोदय,

मैं कीर्ति नगर का रहने वाला हूँ। मेरा नाम गोपाल राय है। मैं फ्लैट नंबर 10, ब्लॉक-ए, कीर्ति नगर में रहता हूँ। आपको विशेष निवेदन हेतु पत्र लिख रहा हूँ। मैं एक जून से लेकर तीस जून तक अपने इस पते में नहीं हूँ। किसी विशेष कारण हेतु बाहर जा रहा हूँ। आपसे निवेदन है कि इस समय अवधि में मेरी जितनी भी डाक आए कृपया वे यहाँ पर नहीं दी जाएँ। इस समय अवधि में मेरी महत्वपूर्ण डाक आने वाली है। यदि मेरी अनुपस्थिति में वह मेरे घर में भेज दी गई, तो उनके खोने का डर है। अतः आपसे निवेदन है कि इस समय अवधि में उसे डाकघर में ही रखा जाए। मैं वापस आते ही आपके डाकघर से इन्हें स्वयं ले लूँगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप मेरी इस समस्या की ओर ध्यान देंगे और मेरी डाक घर में नहीं देगें। मैं आपका सदैव आभारी रहूँगा।

धन्यवाद सहित,

भवदीय,

गोपाल राय

16. वर्तमान समय में बढ़ती जनसंख्या, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, बेरोज़गारी आदि समस्याएँ हैं। इनमें जनसंख्या की समस्या काफी जटिल है। इसके कारण अशिक्षा और अंधविश्वास है। इस संबंध में

सरकार तथा अनेक संस्थाएँ कार्य रही हैं लेकिन सफलता नहीं मिल पाई है। इससे कृषि के लिए भूमि का अभाव हो गया है। आवास की बढ़ती हुई समस्या के कारण यहाँ हरे-भरे जंगलों के स्थान पर कंकरीट के जंगल बन गए हैं। जनसंख्या की समस्या का समाधान कानून द्वारा नहीं जनजागरण द्वारा ही संभव है।